

KMGBF 2022 लक्ष्य प्राप्त करने हेतु OECMs

प्रलिमिस के लिये:

अन्य प्रभावी क्षेत्र-आधारित संरक्षण उपाय (OECM), अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति-संरक्षण संघ, संरक्षित क्षेत्रों पर वशिव आयोग, वशिव वन्यजीव कोष, कुनमगि-मॉन्टरयिल वैश्वकि जैवविविधिता फ्रेमवरक (KMGBF), संयुक्त राष्ट्र प्रयावरण कार्यक्रम, जैवविविधिता, संरक्षित क्षेत्र, सवाना, सतत विकास लक्ष्य (SDG), आकरामक बंदिशी प्रजातियाँ।

मेन्स के लिये:

कुनमगि-मॉन्टरयिल वैश्वकि जैवविविधिता फ्रेमवरक (KMGBF) 2022 को प्राप्त करने में अन्य प्रभावी क्षेत्र-आधारित संरक्षण उपायों (OECM) की भूमिका।

स्रोत: IUCN

चर्चा में क्यों?

IUCN, वशिव संरक्षित क्षेत्र आयोग (WCPA) और WWF द्वारा "अन्य प्रभावी क्षेत्र-आधारित संरक्षण उपायों (OECM) पर मार्गदर्शन" शीर्षक से एक नई रपोर्ट जारी की गई है।

- इसमें शामिल दशानिर्देश के तहत कुनमगि-मॉन्टरयिल वैश्वकि जैवविविधिता फ्रेमवरक (KMGBF) 2022 के GBF लक्ष्य संख्या 3 को प्राप्त करने के लिये भूमि, जल एवं समुद्री क्षेत्रों के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करने पर प्रकाश डाला गया है ताकि विष 2030 तक इन क्षेत्रों के 30% के संरक्षण किया जा सके।

OECM क्या हैं?

- परचियः** OECM को ऐसे भौगोलिक क्षेत्र के रूप में परभाषित किया जाता है, जो संरक्षित क्षेत्र नहीं है लेकिन जसे जैवविविधिता के संरक्षण के क्रम में सकारात्मक, नरितर, दीर्घकालिक परणिम प्राप्त करने के लिये शास्ति और प्रबंधित किया जाता है।
 - ये क्षेत्र सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक-आरथिक या अन्य स्थानीय मूल्यों सहित पारस्थितिकी तंत्र के कार्यों और सेवाओं के संरक्षण पर केंद्रित हैं।
 - उदाहरण कृषिभूमि, लकड़ी के लिये वन आदि।
- OECM की पहचान हेतु मानदंडः**

//



- **मुख्य वशिष्टताएँ :**
 - संरक्षण क्षेत्र में शामिल न होना : OECM औपचारिक संरक्षण क्षेत्र (PAs) नहीं हैं लेकिन जैवविविधिता संरक्षण में इनकी भूमिका रहती है।
 - प्रबंधन में लचीलापन : OECM का प्रबंधन सरकारों, नजी समूहों, स्थानीय लोगों या स्थानीय समुदायों द्वारा किया जा सकता है।
 - बहुउद्देश्यीय उद्देश्य : OECM जल प्रबंधन या कृषि जैसे लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, तथा जैवविविधिता संरक्षण को दवातीयक लाभ के रूप में शामिल कर सकते हैं।
 - सतत संरक्षण : OECM को प्रभावी शासन और प्रबंधन के माध्यम से स्व-स्थाने जैवविविधिता संरक्षण सुनिश्चित करना चाहयि।
 - स्वैच्छकि पहचान : किसी साइट को OECM के रूप में पहचानना स्वैच्छकि है और इसके लिये शासी प्राधिकरण की सहमति आवश्यक है।
- **महत्त्व:** OECM जैवविविधिता के लिये महत्त्वपूर्ण स्थलों को मान्यता देते हैं जो औपचारिक रूप से संरक्षित नहीं हैं।
 - OECM वैश्विक संरक्षण क्षेत्र नेटवर्क का वसितार करते हैं, तथा सख्त औपचारिकताओं के बिना जैवविविधिता क्षेत्र को बढ़ावा देते हैं।
- **केस स्टडीज़ :**
 - लॉस एमग्रोस कंजर्वेशन एरिया: यह पेरू के लॉस एमग्रोस जलग्रहण क्षेत्र में स्थिति है और वशिव स्तर पर संकटग्रस्त 12 प्रजातियों, 12 प्राइमेट प्रजातियों और 550 से अधिक पक्षी प्रजातियों का आश्रय स्थल है।
 - वट्टिस रूरल फैसलिटी: यह दक्षिण अफ्रीका में स्थिति है और इसका प्रबंधन मुख्यतः सवाना और नदी आवासों को बरकरार रखते हुए किया जाता है।
 - नारथ टडिल प्रोटेक्टेड वाटर एरिया: यह स्थानीय वनस्पति को बनाए रखने और हानकारक भूमि-उपयोगों पर रोक लगाकर जैवविविधिता संरक्षण के लिये नोवा स्कोटिया, कनाडा में स्थिति है।
- **भारत में OECM:**

Map of OECMs in India



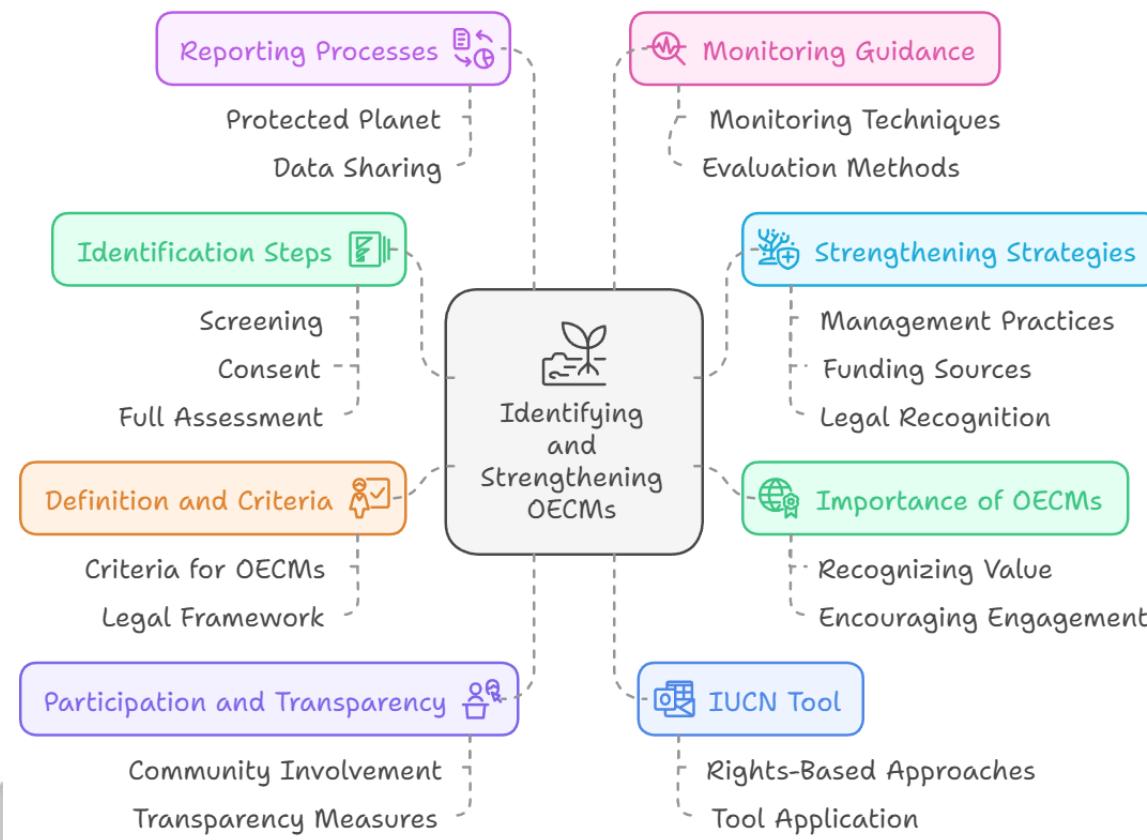
■ OECM और PA के बीच अंतरः

पहलू	संरक्षित क्षेत्र (PA)	अन्य प्रभावी क्षेत्र-आधारित संरक्षण उपाय (OECM)
परभिषा	प्रकृति के दीर्घकालिक संरक्षण हेतु समर्पित क्षेत्र।	साइट जैवविविधता का संरक्षण करती है, लेकिन जरूरी नहीं कि यह प्राथमिक लक्ष्य हो।
प्राथमिक उद्देश्य	जैवविविधता, पारस्थितिकी तंत्र सेवाओं और सांस्कृतिक मूल्यों पर ध्यान केंद्रित करना।	जैवविविधता एक द्वितीयक या आकस्मिक प्रणाली के रूप में।
विधिक मान्यता	औपचारिक रूप से मान्यता प्राप्त और विधिक रूप से संरक्षित।	स्वैच्छिक, औपचारिक संरक्षण का अभाव हो सकता है।
संरक्षण नेटवर्क में भूमिका	संरक्षण नेटवर्क का मूल, दीर्घकालिक सुरक्षा के लिये महत्वपूर्ण।	PA का पूरक, पारस्थितिकी संपर्क को बढ़ाता है।

संरक्षण परिणाम	जैवविविधिता संरक्षण के लिये सख्त नियम।	जैवविविधिता का समर्थन कर सकते हैं, लेकिन संरक्षण पर ध्यान केंद्रित नहीं करते।
पूरक भूमिका	संरक्षण लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये केंद्रीय (जैसे, वर्ष 2030 तक 30%)।	पारस्थितिक प्रतिनिधित्व और संपरक को बढ़ाता है।

OECM के दशा-निर्देश वाले आठ खंड कौन-से हैं?

Framework for Identifying and Strengthening OECMs



KMGBF 2022 क्या है?

- परिचय:** दसिंबर 2022 में CoP 15 (मॉन्ट्रियल, कनाडा) में अपनाए गए इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्ष 2030 तक वैश्विक जैवविविधिता हानि रोकथाम करना और इसकी पुनः प्राप्ति करना है।
 - यह [सतत विकास लक्ष्यों \(SDG\)](#) के अनुरूप है और जैवविविधिता हेतु रणनीतिक योजना 2011-2020 से प्राप्त उपलब्धियों और सीख पर आधारित है।
- उद्देश्य:** इसमें वर्ष 2030 तक तत्काल कार्रवाई के लिये **23 कार्य-उन्मुख वैश्विक लक्ष्य** शामिल हैं, जिनका लक्ष्य कम-से-कम 30% क्षीण स्थलीय, अंतर्रेशीय जल और समुद्री पारस्थितिकी तंत्र का पुनरुत्थान करना है।
 - इस लक्ष्य का तात्पर्य वैश्विक प्रयासों से है, न किप्रत्येक देश के लिये अपनी भूमि और जल का 30% आवंटित करने की आवश्यकता से।
- भविष्य का दृष्टिकोण:** इस रूपरेखा में जैवविविधिता संरक्षण और सतत उपयोग पर वर्तमान कार्यों और नीतियों का मार्गदर्शन करते हुए वर्ष 2050 तक प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापति करने के लिये सामूहिक प्रतिबिद्धता की प्रक्रिया की गई है।

जैवविविधता अभिसमय के पक्षकारों का 15वाँ सम्मेलन (CBD COP 15)



- जैवविविधता पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (CBD) 1993 - जैवविविधता के संरक्षण के लिये एक कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि
- CBD के पक्षकारों का सम्मेलन अभिसमय का शासी निकाय है

पक्षकारों का सम्मेलन-COP

COP 1 (1994)

- नसाऊ, बहामास
- 29 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस के रूप में प्रस्तावित किया गया

EXCOP 1

- UN CBD COP की पहली विशेष बैठक
- कार्टाजेना, कोलंबिया (फरवरी 1999) और मॉन्ट्रियल, कनाडा (जनवरी 2000)
- जैवसुरक्षा पर कार्टाजेना प्रोटोकॉल को अपनाया गया

COP 8 (2006)

- कुर्तीबा, ब्राजील
- ग्लोबल बायोडायवर्सिटी आउटलुक (GBO) रिपोर्ट 2 (वर्ष 2001 में GBO 1)

COP 5 (2000)

- नैरोबी, केन्या
- UNGA ने 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस के रूप में अपनाया

COP 10 (2010)

- नागोया, जापान
- नागोया प्रोटोकॉल (अनुवांशिक संसाधनों तक पहुँच और लाभों का समुचित एवं समान साझाकरण) को अपनाया गया
- जैवविविधता के लिये रणनीतिक योजना 2011-20 और आइची जैवविविधता लक्ष्य
- ग्लोबल बायोडायवर्सिटी आउटलुक (GBO) रिपोर्ट 3

COP 6 (2002)

- हेग, नीदरलैंडस
- ग्लोबल टैक्सोनॉमी इनिशिएटिव, ग्लोबल स्ट्रेटेजी फॉर प्लांट कंजर्वेशन को अपनाया गया

COP 11 (2012)

- हैदराबाद, भारत

COP 14

- शर्म अल शेख, मिस्र

COP 15

चरण-I

- कुनमिंग, चीन में आयोजित किया गया (अक्टूबर 2021)
- थीम- पारिस्थितिक सभ्यता: पृथ्वी पर सभी जीवन के लिये एक साझा भविष्य का निर्माण (Ecological Civilization% Building a Shared Future for All Life on Earth)
- कुनमिंग बायोडायवर्सिटी फंड

चरण-II

- मॉन्ट्रियल, कनाडा में आयोजित किया गया
- 2020 के बाद वैश्विक जैवविविधता रूपरेखा (Post 2020 Global Biodiversity Framework)- 4 लक्ष्य तथा 23 उद्देश्य, जिहें 2030 तक हासिल करना है
- 30 इल 30 लक्ष्य- 2030 तक स्थलीय, आंतरिक और तटीय और समुद्री क्षेत्रों का कम-से-कम 30 प्रतिशत प्रभावी ढंग से संरक्षित और प्रबंधित करना
- किसी भी देश ने अपनी सीमाओं के भीतर सभी 20 आइची लक्ष्यों (जो 2020 में समाप्त हुए) को पूरा नहीं किया

नोट: CBD COP-16 का आयोजन वर्ष 2024 में कोलंबिया के कैली में "पीस वदि नेचर" थीम के साथ किया गया था।

- भारत ने **COP-16** में KMGBF के साथ संरेखति CBD के लिये अद्यतन **राष्ट्रीय जैवविधिता रणनीति और कार्य योजना (NBSAP)** का शुभारंभ किया।
- कैली फंड की स्थापना आनुवंशिक संसाधनों पर **डिजिटल अनुक्रम सूचना (DSI)** के उपयोग से होने वाले **लाभों का निषिक्ष और न्यायसंगत बँटवारा** सुनिश्चित करने के लिये की गई थी।

KMGBF के अंतर्गत भारत का जैवविधिता लक्ष्य क्या है?

- संरक्षण क्षेत्र: जैवविधिता को बढ़ाने के लिये 30% क्षेत्र को संरक्षित किये जाने का लक्ष्य।
- आकरामक प्रजातियाँ: **आकरामक विदेशी प्रजातियाँ** में 50% की कमी लाने का लक्ष्य।
- अधिकार और भागीदारी: संरक्षण में मूल समुदाय के लोगों, स्थानीय समुदायों, महलियों और युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना।
- सतत उपभोग: सतत उपभोग को बढ़ावा देना और खाद्यान्न की होने वाली कुल बरबादी को 50% तक कम करना।
- लाभ साझाकरण: आनुवंशिक संसाधनों और **पारंपरक ज्ञान** से प्राप्त लाभ के उचित बँटवारे को प्रोत्साहित करना।
- प्रदूषण स्तर में कमी लाना: पोषक तत्त्वों की हानि और कीटनाशक जोखिम को कम करते हुए प्रदूषण कम करना।
- जैवविधिता नियोजन: उच्च जैवविधिता वाले क्षेत्रों की हानिकी रोकथाम करने हेतु क्षेत्रों का प्रबंधन करना।

IUCN:

- वर्ष 1948 में स्थापित IUCN विश्व का सबसे बड़ा और सर्वाधिक विधिता वाला प्रयावरण नेटवर्क है।
- IUCN एक सदस्यता संघ है जिसमें 1,400 से अधिक संगठन शामिल हैं, जिनमें सरकारी और नागरिक समाज समूह दोनों शामिल हैं।
- IUCN संरक्षण डेटा, आकलन और विश्लेषण का अग्रणी प्रदाता है, जो वैश्वकि प्रयावरणीय प्रयासों को समर्थन देने के लिये उपकरण और ज्ञान प्रदान करता है।
- यह IUCN रेड डाटा बुक (जिसे अब संकटग्रस्त प्रजातियों की IUCN रेड लिस्ट के रूप में जाना जाता है) तैयार करता है, जिसमें प्रजातियों को उनके वलिप्त होने के जोखिम के आधार पर श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है, जैसे गंभीर रूप से संकटग्रस्त, संकटग्रस्त आदि।

IUCN विश्व संरक्षित क्षेत्र आयोग (WPCA)

- यह संरक्षित एवं परिक्षित क्षेत्रों पर विशेषज्ञता का विश्व का अग्रणी नेटवर्क है, जिसके 140 देशों में 2,500 से अधिक सदस्य हैं।
- यह संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना, प्रबंधन और सुदृढीकरण पर नीतिनिर्माताओं को रणनीतिक सलाह प्रदान करता है।

WWF:

- वर्ष 1961 में स्थापित WWF एक अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन है, जो प्रयावरण संरक्षण और कमज़ोर प्रजातियों एवं पारस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा पर केंदरता है।
- इसका लक्ष्य प्रयावरणीय क्षरण को रोकना तथा ऐसे भविष्य का नरिमाण करना है, जिसमें लोग प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर रहे हैं।

निषिकरण:

IUCN और WWF द्वारा OECM देश-निवेशों का जारी होना कुनमगि-मॉन्ट्रियल वैश्वकि जैवविधिता ढाँचे का समर्थन करता है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक 30% भूमि, जल और समुद्री क्षेत्रों का संरक्षण करना है। भारत के जैवविधिता लक्ष्य संरक्षण को बढ़ाने, आकरामक प्रजातियों को कम करने और सतत उपभोग को बढ़ावा देने के वैश्वकि लक्ष्यों के अनुरूप हैं।

दृष्टि मुख्य परीक्षा प्रश्न:

प्रश्न: अन्य प्रभावी क्षेत्र-आधारित संरक्षण उपाय (OECM) क्या है? वे संरक्षित क्षेत्रों से किसी प्रकार भिन्न हैं?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वित्त वर्ष के प्रश्न

Q1|Q2|Q3|Q4|Q5|Q6|Q7|Q8|Q9|Q10|Q11|Q12|Q13|Q14|Q15|Q16|Q17|Q18|Q19|Q20|Q21|Q22|Q23|Q24|Q25|Q26|Q27|Q28|Q29|Q30|Q31|Q32|Q33|Q34|Q35|Q36|Q37|Q38|Q39|Q40|Q41|Q42|Q43|Q44|Q45|Q46|Q47|Q48|Q49|Q50|Q51|Q52|Q53|Q54|Q55|Q56|Q57|Q58|Q59|Q60|Q61|Q62|Q63|Q64|Q65|Q66|Q67|Q68|Q69|Q70|Q71|Q72|Q73|Q74|Q75|Q76|Q77|Q78|Q79|Q80|Q81|Q82|Q83|Q84|Q85|Q86|Q87|Q88|Q89|Q90|Q91|Q92|Q93|Q94|Q95|Q96|Q97|Q98|Q99|Q100|Q101|Q102|Q103|Q104|Q105|Q106|Q107|Q108|Q109|Q110|Q111|Q112|Q113|Q114|Q115|Q116|Q117|Q118|Q119|Q120|Q121|Q122|Q123|Q124|Q125|Q126|Q127|Q128|Q129|Q130|Q131|Q132|Q133|Q134|Q135|Q136|Q137|Q138|Q139|Q140|Q141|Q142|Q143|Q144|Q145|Q146|Q147|Q148|Q149|Q150|Q151|Q152|Q153|Q154|Q155|Q156|Q157|Q158|Q159|Q160|Q161|Q162|Q163|Q164|Q165|Q166|Q167|Q168|Q169|Q170|Q171|Q172|Q173|Q174|Q175|Q176|Q177|Q178|Q179|Q180|Q181|Q182|Q183|Q184|Q185|Q186|Q187|Q188|Q189|Q190|Q191|Q192|Q193|Q194|Q195|Q196|Q197|Q198|Q199|Q200|Q201|Q202|Q203|Q204|Q205|Q206|Q207|Q208|Q209|Q210|Q211|Q212|Q213|Q214|Q215|Q216|Q217|Q218|Q219|Q220|Q221|Q222|Q223|Q224|Q225|Q226|Q227|Q228|Q229|Q230|Q231|Q232|Q233|Q234|Q235|Q236|Q237|Q238|Q239|Q240|Q241|Q242|Q243|Q244|Q245|Q246|Q247|Q248|Q249|Q250|Q251|Q252|Q253|Q254|Q255|Q256|Q257|Q258|Q259|Q2510|Q2511|Q2512|Q2513|Q2514|Q2515|Q2516|Q2517|Q2518|Q2519|Q2520|Q2521|Q2522|Q2523|Q2524|Q2525|Q2526|Q2527|Q2528|Q2529|Q2530|Q2531|Q2532|Q2533|Q2534|Q2535|Q2536|Q2537|Q2538|Q2539|Q2540|Q2541|Q2542|Q2543|Q2544|Q2545|Q2546|Q2547|Q2548|Q2549|Q2550|Q2551|Q2552|Q2553|Q2554|Q2555|Q2556|Q2557|Q2558|Q2559|Q2560|Q2561|Q2562|Q2563|Q2564|Q2565|Q2566|Q2567|Q2568|Q2569|Q2570|Q2571|Q2572|Q2573|Q2574|Q2575|Q2576|Q2577|Q2578|Q2579|Q2580|Q2581|Q2582|Q2583|Q2584|Q2585|Q2586|Q2587|Q2588|Q2589|Q2590|Q2591|Q2592|Q2593|Q2594|Q2595|Q2596|Q2597|Q2598|Q2599|Q25100|Q25101|Q25102|Q25103|Q25104|Q25105|Q25106|Q25107|Q25108|Q25109|Q25110|Q25111|Q25112|Q25113|Q25114|Q25115|Q25116|Q25117|Q25118|Q25119|Q25120|Q25121|Q25122|Q25123|Q25124|Q25125|Q25126|Q25127|Q25128|Q25129|Q25130|Q25131|Q25132|Q25133|Q25134|Q25135|Q25136|Q25137|Q25138|Q25139|Q25140|Q25141|Q25142|Q25143|Q25144|Q25145|Q25146|Q25147|Q25148|Q25149|Q25150|Q25151|Q25152|Q25153|Q25154|Q25155|Q25156|Q25157|Q25158|Q25159|Q25160|Q25161|Q25162|Q25163|Q25164|Q25165|Q25166|Q25167|Q25168|Q25169|Q25170|Q25171|Q25172|Q25173|Q25174|Q25175|Q25176|Q25177|Q25178|Q25179|Q25180|Q25181|Q25182|Q25183|Q25184|Q25185|Q25186|Q25187|Q25188|Q25189|Q25190|Q25191|Q25192|Q25193|Q25194|Q25195|Q25196|Q25197|Q25198|Q25199|Q25200|Q25201|Q25202|Q25203|Q25204|Q25205|Q25206|Q25207|Q25208|Q25209|Q25210|Q25211|Q25212|Q25213|Q25214|Q25215|Q25216|Q25217|Q25218|Q25219|Q25220|Q25221|Q25222|Q25223|Q25224|Q25225|Q25226|Q25227|Q25228|Q25229|Q25230|Q25231|Q25232|Q25233|Q25234|Q25235|Q25236|Q25237|Q25238|Q25239|Q25240|Q25241|Q25242|Q25243|Q25244|Q25245|Q25246|Q25247|Q25248|Q25249|Q25250|Q25251|Q25252|Q25253|Q25254|Q25255|Q25256|Q25257|Q25258|Q25259|Q25260|Q25261|Q25262|Q25263|Q25264|Q25265|Q25266|Q25267|Q25268|Q25269|Q25270|Q25271|Q25272|Q25273|Q25274|Q25275|Q25276|Q25277|Q25278|Q25279|Q25280|Q25281|Q25282|Q25283|Q25284|Q25285|Q25286|Q25287|Q25288|Q25289|Q25290|Q25291|Q25292|Q25293|Q25294|Q25295|Q25296|Q25297|Q25298|Q25299|Q252100|Q252101|Q252102|Q252103|Q252104|Q252105|Q252106|Q252107|Q252108|Q252109|Q252110|Q252111|Q252112|Q252113|Q252114|Q252115|Q252116|Q252117|Q252118|Q252119|Q252120|Q252121|Q252122|Q252123|Q252124|Q252125|Q252126|Q252127|Q252128|Q252129|Q252130|Q252131|Q252132|Q252133|Q252134|Q252135|Q252136|Q252137|Q252138|Q252139|Q252140|Q252141|Q252142|Q252143|Q252144|Q252145|Q252146|Q252147|Q252148|Q252149|Q252150|Q252151|Q252152|Q252153|Q252154|Q252155|Q252156|Q252157|Q252158|Q252159|Q252160|Q252161|Q252162|Q252163|Q252164|Q252165|Q252166|Q252167|Q252168|Q252169|Q252170|Q252171|Q252172|Q252173|Q252174|Q252175|Q252176|Q252177|Q252178|Q252179|Q252180|Q252181|Q252182|Q252183|Q252184|Q252185|Q252186|Q252187|Q252188|Q252189|Q252190|Q252191|Q252192|Q252193|Q252194|Q252195|Q252196|Q252197|Q252198|Q252199|Q252200|Q252201|Q252202|Q252203|Q252204|Q252205|Q252206|Q252207|Q252208|Q252209|Q2522010|Q2522011|Q2522012|Q2522013|Q2522014|Q2522015|Q2522016|Q2522017|Q2522018|Q2522019|Q2522020|Q2522021|Q2522022|Q2522023|Q2522024|Q2522025|Q2522026|Q2522027|Q2522028|Q2522029|Q25220210|Q25220211|Q25220212|Q25220213|Q25220214|Q25220215|Q25220216|Q25220217|Q25220218|Q25220219|Q25220220|Q25220221|Q25220222|Q25220223|Q25220224|Q25220225|Q25220226|Q25220227|Q25220228|Q25220229|Q25220230|Q25220231|Q25220232|Q25220233|Q25220234|Q25220235|Q25220236|Q25220237|Q25220238|Q25220239|Q25220240|Q25220241|Q25220242|Q25220243|Q25220244|Q25220245|Q25220246|Q25220247|Q25220248|Q25220249|Q25220250|Q25220251|Q25220252|Q25220253|Q25220254|Q25220255|Q25220256|Q25220257|Q25220258|Q25220259|Q25220260|Q25220261|Q25220262|Q25220263|Q25220264|Q25220265|Q25220266|Q25220267|Q25220268|Q25220269|Q25220270|Q25220271|Q25220272|Q25220273|Q25220274|Q25220275|Q25220276|Q25220277|Q25220278|Q25220279|Q25220280|Q25220281|Q25220282|Q25220283|Q25220284|Q25220285|Q25220286|Q25220287|Q25220288|Q25220289|Q25220290|Q25220291|Q25220292|Q25220293|Q25220294|Q25220295|Q25220296|Q25220297|Q25220298|Q25220299|Q252202100|Q252202101|Q252202102|Q252202103|Q252202104|Q252202105|Q252202106|Q252202107|Q252202108|Q252202109|Q252202110|Q252202111|Q252202112|Q252202113|Q252202114|Q252202115|Q252202116|Q252202117|Q252202118|Q252202119|Q252202120|Q252202121|Q252202122|Q252202123|Q252202124|Q252202125|Q252202126|Q252202127|Q252202128|Q252202129|Q252202130|Q252202131|Q252202132|Q252202133|Q252202134|Q252202135|Q252202136|Q252202137|Q252202138|Q252202139|Q252202140|Q252202141|Q252202142|Q252202143|Q252202144|Q252202145|Q252202146|Q252202147|Q252202148|Q252202149|Q252202150|Q252202151|Q252202152|Q252202153|Q252202154|Q252202155|Q252202156|Q252202157|Q252202158|Q252202159|Q252202160|Q252202161|Q252202162|Q252202163|Q252202164|Q252202165|Q252202166|Q252202167|Q252202168|Q252202169|Q252202170|Q252202171|Q252202172|Q252202173|Q252202174|Q252202175|Q252202176|Q252202177|Q252202178|Q252202179|Q252202180|Q252202181|Q252202182|Q252202183|Q252202184|Q252202185|Q252202186|Q252202187|Q252202188|Q252202189|Q252202190|Q252202191|Q252202192|Q252202193|Q252202194|Q252202195|Q252202196|Q252202197|Q252202198|Q252202199|Q252202200|Q252202201|Q252202202|Q252202203|Q252202204|Q252202205|Q252202206|Q252202207|Q252202208|Q252202209|Q252202210|Q252202211|Q252202212|Q252202213|Q252202214|Q252202215|Q252202216|Q252202217|Q252202218|Q252202219|Q252202220|Q252202221|Q252202222|Q252202223|Q252202224|Q252202225|Q252202226|Q252202227|Q252202228|Q252202229|Q252202230|Q252202231|Q252202232|Q252202233|Q252202234|Q252202235|Q252202236|Q252202237|Q252202238|Q252202239|Q252202240|Q252202241|Q252202242|Q252202243|Q252202244|Q252202245|Q252202246|Q252202247|Q252202248|Q252202249|Q252202250|Q252202251|Q252202252|Q252202253|Q252202254|Q252202255|Q252202256|Q252202257|Q252202258|Q252202259|Q252202260|Q252202261|Q252202262|Q252202263|Q252202264|Q252202265|Q252202266|Q252202267|Q252202268|Q252202269|Q252202270|Q252202271|Q252202272|Q252202273|Q252202274|Q252202275|Q252202276|Q252202277|Q252202278|Q252202279|Q252202280|Q252202281|Q252202282|Q252202283|Q252202284|Q252202285|Q252202286|Q252202287|Q252202288|Q252202289|Q252202290|Q252202291|Q252202292|Q252202293|Q252202294|Q252202295|Q252202296|Q252202297|Q252202298|Q252202299|Q2522022100|Q2522022101|Q2522022102|Q2522022103|Q2522022104|Q2522022105|Q2522022106|Q2522022107|Q2522022108|Q2522022109|Q2522022110|Q2522022111|Q2522022112|Q2522022113|Q2522022114|Q2522022115|Q2522022116|Q2522022117|Q2522022118|Q2522022119|Q2522022120|Q2522022121|Q2522022122|Q2522022123|Q2522022124|Q2522022125|Q2522022126|Q2522022127|Q2522022128|Q2522022129|Q2522022130|Q2522022131|Q2522022132|Q2522022133|Q2522022134|Q2522022135|Q2522022136|Q2522022137|Q2522022138|Q2522022139|Q2522022140|Q2522022141|Q2522022142|Q2522022143|Q2522022144|Q2522022145|Q2522022146|Q2522022147|Q2522022148|Q2522022149|Q2522022150|Q2522022151|Q2522022152|Q2522022153|Q2522022154|Q2522022155|Q2522022156|Q2522022157|Q2522022158|Q2522022159|Q2522022160|Q25220

प्रश्न. “मोर्मेटम फॉर चेंज़: क्लाइमेट नयूट्रल नाउ” यह पहल कसिके द्वारा शुरू की गई थी? (2018)

- (a) जलवायु परविरतन पर अंतर सरकारी पैनल
- (b) UNEP सचिवालय
- (c) UNFCCC सचिवालय
- (d) वशिव मौसम वजिज्ञान संगठन

उत्तर: (c)

व्याख्या:

??????

प्रश्न. संयुक्त राष्ट्र जलवायु परविरतन फरेमवरक सममेलन (UNFCCC) के सी.ओ.पी. के 26वें सत्र के प्रमुख परिणामों का वर्णन कीजिये। इस सम्मेलन में भारत द्वारा की गई वचनबद्धताएँ क्या हैं? (2021)

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/oecms-for-achieving-kmgbf-2022-targets>

